- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 लालू के जीवन पर बन रही फिल्म 2025 में विस चुनाव से पहले होगी रिलीज

04 एमजीसीयू के डॉ. जैन को मिला यूरोपियन कैंसर रिसर्चर अनुदान

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, शनिवार, 28 अक्टूबर 2023 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 262

हमारी संस्कृति आज भी अक्षुण्ण और अटल : प्रधानमंत्री

स्वामी रामभद्राचार्य की तीन पुस्तकों का किया विमोचन

सतना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि मेरा सौभाग्य है कि आज पूरे दिन मुझे अलग-अलग मंदिरों में प्रभु श्रीराम के दर्शन का अवसर मिला और संतों का आशीर्वाद भी मिला। विशेषकर संत रामभद्राचार्य जी का स्नेह जो मुझे मिलता है, वह अभिभूत कर देता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया में इन हजारों वर्षों में कितनी ही भाषाएं आईं और चली गईं। नई भाषाओं ने पुरानी भाषाओं की जगह ले ली, लेकिन हमारी संस्कृति आज भी उतनी ही अक्षुण्ण और अटल है।

प्रधानमंत्री शुक्रवार को चित्रकूट प्रवास के दौरान तुलसी पीठ सेवा न्यास में आयोजित सभा को संबोधित कर रहे थे। वे यहां दिवंगत

अरविंद भाई मफतलाल के शताब्दी वर्ष समारोह में शामिल होने के लिए आए थे। समारोह के बाद प्रधानमंत्री तुलसी पीठ सेवा न्यास पहुंचे थे।

यहां उन्होंने तुलसी पीठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य महाराज से भी मुलाकात की। उन्होंने जगद्गुरु रामानंदाचार्य का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर उन्होंने कांच मंदिर में दर्शन एवं पूजन कर रामभद्राचार्य की प्रशंसा की। उन्होंने संस्कृत के महत्व का भी उल्लेख किया। उन्होंने इस अवसर पर राम मंदिर के साथ ही चित्रकूट के विकास का भी उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि गुलामी के एक हजार साल के कालखंड में भारत को तरह-तरह से जड़ों से उखाड़ने के कई प्रयास हुए। हम आजाद हुए, लेकिन जिनके मन से गुलामी की मानसिकता नहीं गई, वे संस्कृत के प्रति बैर भाव पालते रहे। उन्होंने कहा, 'कोई दूसरे देश की मातृभाषा जाने तो ये लोग प्रशंसा करेंगे, लेकिन संस्कृत भाषा जानने को ये पिछड़ेपन की निशानी मानते हैं। इस मानसिकता के लोग पिछले एक हजार साल से हारते आ रहे हैं और आगे भी कामयाब नहीं होंगे। संस्कृत परंपरा नहीं, हमारी प्रगति और पहचान की भाषा है। संस्कृत समय के साथ परिष्कृत तो हुई लेकिन प्रदूषित नहीं हुई।

प्रधानमंत्री को राम मंदिर उद्घाटन समारोह में हिस्सा नहीं लेना चाहिए: मौलाना महमूद असद मदनी

नई दिल्ली। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने अगले वर्ष अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संभावित भागीदारी और कुछ मुस्लिम नेताओं द्वारा प्रस्तावित मस्जिद की नींव रखने के लिए प्रधानमंत्री से अपील करने पर तीखी आलोचना की है। मौलाना मदनी ने अपने बयान में कहा कि हम स्पष्ट रूप से यह कहना चाहते हैं कि अयोध्या विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने जो निर्णय किया था, हम उसको सही नहीं मानते हैं।

मुख्यमंत्री सुक्खू एम्स में भर्ती, मेडिकल परीक्षण शुरू

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू शुक्रवार को गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग में कुछ परीक्षणों के लिए नई दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती हो गए हैं। उनका मेडिकल परीक्षण शुरू कर दिए गए हैं। इस प्रक्रिया में लगभग दो से तीन दिन लग सकते हैं। शुक्रवार को एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री की सेहत पहले से बेहतर है, चिंता की कोई बात नहीं है।
वह डॉक्टरों की टीम की निगरानी में हैं। एम्स की मेडिकल बुलेटिन के अनुसार मुख्यमंत्री सुक्खू की रिपोर्ट सामान्य हैं और उनका स्वास्थ्य स्थिर है, लेकिन उन्हें आराम की जरूरत है। आईजीएमसी शिमला के डॉक्टरों की सलाह पर मुख्यमंत्री को एम्स में भर्ती करवाया गया है।

उपराष्ट्रपति ने केदारनाथ-बदरीनाथ में की पूजा-अर्चना

बाबा केदारनाथ धाम में अपार शांति का अनुभव हो रहा है : उपराष्ट्रपति

गुप्तकाशी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को केदारनाथ एवं बदरीनाथ धाम में पूजा-अर्चना कर देश की खुशहाली की कामना की। उपराष्ट्रपति के साथ उनकी पत्नी सुदेश धनखड़ भी मौजूद रहीं। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने उपराष्ट्रपति का स्वागत किया।

शुक्रवार सुबह उपराष्ट्रपति पत्नी संग पहले केदारनाथ धाम पहुंचे। वीआईपी हेलीपैड पहुंचने पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि), जिलाधिकारी डॉ. सौरव गहरवार, पुलिस अधीक्षक

विशाखा अशोक भदाणे, एडीएम बीर सिंह बुदियाल, उप जिलाधिकारी ऊखीमठ जितेंद्र वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष महावीर पंवार, केदार सभा के अध्यक्ष राजकुमार तिवारी ने पुष्प भेंट कर उप राष्ट्रपति का स्वागत किया।

इसके बाद उपराष्ट्रपति ने केदार घाटी की जानकारी ली। कुछ देर सेफ हाउस में रुकने के बाद उपराष्ट्रपति बाबा केदारनाथ मंदिर पंहुचे। मंदिर के समीप केदार सभा, मंदिर समिति, तीर्थ पुरोहित समाज ने परंपरागत मंत्रोच्चारण एवं रुद्राक्ष की माला पहनाकर उनका स्वागत किया। साथ ही बाबा केदारनाथ का वस्त्र बाघंबर ओढ़ाकर उनका सम्मान किया। उपराष्ट्रपति ने केदारनाथ मंदिर प्रवेश कर रूद्राभिषेक एवं विशेष पूजा-अर्चना की और देश की खुशहाली एवं जनकल्याण की कामना की। इसके बाद राज्यपाल ने उपराष्ट्रपति को केदारपुरी में चल रहे पुनर्निर्माण एवं विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि बाबा केदारनाथ धाम में अपार शांति का अनुभव हो रहा है। यहां के विहंगम दृश्य मंत्रमुग्ध करने वाले हैं। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों का अभिवादन किया। साथ ही अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा धाम में कठिन परिस्थितियों में किए जा रहे कार्यों की सराहना भी की।

दुर्घटना | सुबह लगभग 31 सवारियों को लेकर निजी बस हलिया जा रही थी

यात्रियों से भरी बस पलटी, पिता-पुत्र समेत पांच की मौत

मीरजापुर। संतनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ददरी बांध के पास यात्रियों से भरी बस पलट गई। हादसे में पिता-पुत्र, महिला व बस चालक समेत पांच यात्रियों की मौत हो गई। इस दुर्घटना में 26 यात्री घायल हो गए। सभी यात्री बस से हलिया जा रहे थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज पहुंचाया।

शिवराज लिखी बस मीरजापुर से हलिया के कुशियरा तक जाती है। रास्ते में मड़िहान व संतनगर क्षेत्र पड़ता है। शुक्रवार की सुबह लगभग 31 सवारियों को लेकर निजी बस हलिया जा रही थी। रास्ते में संत नगर थाना क्षेत्र के ददरी बांध के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। बस के पलटने से यात्री दब गए और

चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर यात्रियों को बाहर निकाला। हादसे में दो बालक व महिला समेत पांच लोगों की मौत हो गई।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने गंभीर हालत देख 10 घायलों को मंडलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने बताया कि बस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है। घायलों का इलाज चल रहा है। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन व पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने अस्पताल में भर्ती घायलों का हाल जाना और चिकित्सकों को बेहतर उपचार करने के साथ आवश्यक निर्देश दिया।

ममता (26) पत्नी सुरेश निवासी बढ़ौना दुबार थाना लालगंज, मनीता (25) पत्नी सुनील कुमार निवासी मातवर थाना हलिया, अभिषेक (02) पुत्र सुरेश निवासी बढ़ौना दुबार थाना लालगंज, बस चालक सत्यनारायण (40) व विष्णु कुमार (10) पुत्र राजेश निवासी बाबू गोड़र दुबार थाना लालगंज की मौत हो गई।

भाजपा तेलंगाना में पिछड़े वर्ग से किसी को बनाएगी मुख्यमंत्री: शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज कहा कि तेलंगाना विधानसभा चुनाव में अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जीत दर्ज करती है तो पार्टी यहां किसी पिछड़े वर्ग के व्यक्ति को राज्य का मुख्यमंत्री बनाएगी।

शाह ने शुक्रवार को तेलंगाना के सूर्यापेट में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि वह तेलंगाना की जनता से कहना चाहते हैं कि आप भाजपा को अपना आशीर्वाद दीजिए, भाजपा की सरकार बनाइये, भाजपा का तेलंगाना का मुख्यमंत्री पिछड़े वर्ग से ही होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा तेलंगाना के लोगों के लिए काम करने के लिए वचनबद्ध हैं। कांग्रेस और चंद्रशेखर राव के एजेंडे में तेलंगाना का विकास और यहां के लोगों के हितों की चिंता नहीं है।

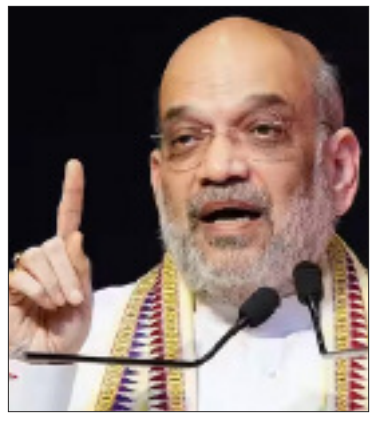

शाह ने कहा कि भाजपा का लक्ष्य गरीब कल्याण है और टीआरएस व कांग्रेस का लक्ष्य परिवार कल्याण है। परिवार कल्याण में विश्वास रखने वाली ये पार्टियां तेलंगाना को आगे नहीं बढ़ा सकती, तेलंगाना को सिर्फ मोदी के नेतृत्व में भाजपा ही आगे बढ़ा सकती है।

लालू के जीवन पर बन रही फिल्म 2025 में विस चुनाव से पहले होगी रिलीज

पटना। बिहार की राजनीति में यदि एक नाम सबसे ज्यादा चर्चित रहा है तो वह है राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव। अब इस नाम का डंका फिल्म इंडस्ट्रीज में भी बजने वाला है। यूं तो देश के कई राजनेताओं के जीवन पर फिल्म बन चुकी है लेकिन अब बारी लालू यादव की आयी है। लालू प्रसाद यादव के जीवन पर बिहार के रहने वाले मशहूर फिल्म निर्देशक प्रकाश झा फिल्म बना रहे हैं जबकि इसके फाइनेंसर तेजस्वी यादव हैं। इस फिल्म को 2025 में विधानसभा चुनाव से पहले रिलीज करने की योजना है।

राजद के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार लालू यादव का बायोपिक बनाने पर काम पिछले पांच-छह महीने से जारी है। लालू यादव पर फिल्म बनाने के अधिकार उनके

परिवार से ले लिए गये हैं। इस फिल्म का निर्माण प्रकाश झा की प्रोडक्शन कंपनी करेगी। लालू यादव के छोटे बेटे और बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव इसमें खासी अभिरुचि दिखा रहे हैं और वे ही फाइनेंस कर रहे हैं।

कैसा होगा बायोपिक का कंटेंट

हालांकि, लालू यादव के बायोपिक का कंटेंट कैसा होगा इसपर बहुत कुछ सामने नहीं आया है लेकिन फिल्म के जरिए उन बातों को लोगों तक पहुंचाया जायेगा जिसे बहुत कम लोग जाते हैं। इसके साथ उनके राजनीति जीवन और यात्रा से लोग रूबरू हो पायेंगे। बायोपिक की सक्रिप्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसके बाद जल्द ही फिल्म की कास्टिंग शुरू होगी, जिसमें हिन्दी बेल्ट के कलाकारों को जगह दी जायेगी। लालू प्रसाद यादव का रोल निभाने के लिए किसी बड़े फिल्म स्टार से बातचीत भी की जा रही है। कुछ महीनों में फिल्म की शूटिंग करने की तैयारी भी चल रही है।

जानकारी के मुताबिक इस फिल्म में ये दिखाया जायेगा कि कैसे लालू प्रसाद यादव गरीबी में पलकर मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचे और फिर बिहार के पिछड़ों को आगे बढ़ाया। फिल्म में चारा घोटाले का भी जिक्र होगा लेकिन उसमें मैसेज ये दिया जायेगा कि लालू यादव को इस मामले में फंसा दिया गया था।

राजद के प्रदेश प्रवक्ता चितरंजन गगन का कहना है कि ये बहुत अच्छी बात है कि लालू यादव पर फिल्म बन रही है। बिहार के साथ देश के सभी वर्ग के लोगों को लालू यादव के बारे में जानने की बहुत दिलचस्प है। लोग ये जानना चाहते है कि लालू यादव ने कैसे सामाजिक न्याय की मूक क्रांति लाये।

उल्लेखनीय है कि लालू यादव पर कई किताबें भी लिखी गयी हैं। लालू यादव कई रियलिटी शो में भी जा चुके हैं।

SMS से मिलेगी जमाबंदी में बदलाव की सूचना; मंत्री ने दी जानकारी

पटना। दाखिल-खारिज, पुनरीक्षण एवं जमाबंदी रद्द करने से जुड़े वाद ऑनलाइन दायर किए जाएंगे। जमाबंदी में बदलाव की सूचना रैयत को एसएमएस के माध्यम से मिल जाएगी। दाखिल-खारिज वाद के विरुद्ध ऑनलाइन आपत्तियां भी दर्ज होंगी। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री आलोक मेहता ने शुक्रवार को इन तीन नई सेवाओं की शुरुआत की।

कम समय में होगा समस्या का निदान

दावा किया कि इनके माध्यम से रैयतों की समस्या का कम समय में निदान होगा। समारोह में विभाग के अपर मुख्य सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा और सचिव जय सिंह भी उपस्थित थे।

अबतक दाखिल खारिज, पुनरीक्षण वाद और जमाबंदी रद करने से जुड़े वाद के आवेदन ऑफलाइन ही दर्ज किए जाते थे। इसके लिए रैयतों को सरकारी कार्यालयों का चक्कर लगाना पड़ता था। अब वे ऑनलाइन माध्यम से अपनी शिकायतों का निबटारा कर सकते हैं।

आनंद मोहन के साथ हमारा रिश्ता काफी पुराना : मुख्यमंत्री

नीतीश ने आनंद मोहन के दादा और पिता की प्रतिमा का किया अनावरण

पटना/सहरसा

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को सहरसा में पूर्व सांसद आनंद मोहन के गांव का दौरा किया। उन्होंने पंचगछिया में आनंद मोहन के दादा स्व. राम बहादुर सिंह और पिता पद्मानंद सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया। नीतीश ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आनंद मोहन से हमारा रिश्ता बहुत पुराना है।

मुख्यमंत्री ने आनंद मोहन और लवली आनंद की चर्चा करते हुए कहा कि हम लोग 1995 तक साथ थे। बाद में अलग हुए। उन्होंने हा कि आनंद मोहन को जो राजनीति करना है करें, जो मन करे करिए। समस्या रहेगी तो सहयोग करते रहेंगे। उन्होंने मजबूती से एकजुट होने का आह्वान किया। सीएम ने कहा कि आनंद मोहन के दादा स्व. रामबहादुर सिंह 1919 में स्वामी सहजानंद सरस्वती के संपर्क में आए और रॉलेट एक्ट का विरोध किया तो जेल जाना पड़ा। बाद में कोसी सेवक दल का गठन किया। खादी ग्रामोद्योग की स्थापना की। देश की आजादी में महात्मा गांधी के साथ इन

लोगों ने काफी बड़ी भूमिका निभाई थी।

सीएम ने कहा कि 1930 में नमक सत्याग्रह में रामबहादुर सिंह ने भाग लेकर देश की आजादी में योगदान दिया। उस समय उन्होंने नशे से लोगों को दूर करने का काम किया था। जब उस समय यह अभियान चला तो सबको आज भी नशे से मुक्त समाज के लिए प्रेरित करना चाहिए। 1934 में आए भूकंप के बाद बापू के आने की चर्चा करते हुए कहा कि उस दौरान भी स्व. रामबहादुर सिंह की पत्नी कुंती देवी ने लोगों के सहयोग के लिए काफी धन दान में दिया था। सीएम ने कहा कि 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में उन्होंने अहम भूमिका निभाई। 49 वर्ष की आयु में मौत के बाद पुत्र पद्मानंद सिंह ने कमान संभाल ली और देश की आजादी में अपना योगदान दिया।

जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार महापुरुषों की कुर्बानी, संघर्ष की कहानी को पाठ्यक्रम में शामिल कराया। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए ताकि इससे आने वाली पीढ़ी उससे प्रेरणा ले सकें।

आनंद मोहन ने कहा कि जो व्यक्ति बदनामी लेकर कानून में तब्दीली लाकर उन्हें जेल से बाहर निकाला उनके साथ हमेशा खड़े रहेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री को पंचगछिया को अनुमंडल बनाने की बात याद दिलाई। साथ ही उनकी खूब तारीफ भी की। सभा को पूर्व सांसद लवली आनंद, विधायक चेतन आनंद, फ्रेंड्स आफ आनंद के अंशुमन मोहन, पूर्व मुखिया चंद्रशेखर ठाकुर आदि ने संबोधित किया। इस दौरान आनंद मोहन की पत्नी लवली आनंद के साथ उनके बेटे और राजद विधायक चेतन आनंद मौजूद रहे।

सुशील मोदी ने कहा, जयंती कार्यक्रम में लालू को बुलाकर कांग्रेस ने श्रीबाबू का किया अपमान

पटना। राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि बिहार के प्रथम विकास पुरुष श्रीकृष्ण सिंह की जयंती पर विकास विरोधी लालू प्रसाद को बुला कर कांग्रेस ने श्रीबाबू का अपमान किया।

सुशील मोदी ने शुक्रवार को यहां कहा कि श्री बाबू ने राज्य में बिजली, खाद, पेट्रोलियम, सीमेंट के कारखाने लगवाए और ढांचागत विकास की नींव रखी जबकि लालू प्रसाद के राज में एक-एक कर सारे कारखाने बंद होते चले गए।

उन्होंने कहा कि जिस लालू प्रसाद ने भूरा बाल साफ करो का नारा देकर भूमिहार जाति के लोगों को सबसे ज्यादा प्रताड़ित किया और नक्सलियों को संरक्षण देकर नरसंहार कराये, उन्हें कांग्रेस मुख्यालय में आमंत्रित करना भूमिहार समाज के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा था। समाज इसके लिए कांग्रेस और लालू यादव को कभी माफ नहीं करेगा।

मुश्किल भाजपा नेता की गाड़ी से दुर्घटना, पत्नी की मौत, पति नाजुक

वीवीआईपी गाड़ी ने बाइक सवार दंपत्ति को रौंदा

पूर्णिया। जिले में भाजपा नेता की वीवीआईपी गाड़ी ने बाइक सवार दंपत्ति को रौंद डाला। भीषण टक्कर में दंपत्ति की बाइक 50 मीटर तक घसीटती रही। इस भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जबकि महिला के पति की हालत काफ़ी नाजुक बताई जा रही है। इनकी नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने पटना रेफर कर दिया है। घटना देर रात मरंगा थाना क्षेत्र के हरदा विधार्थी चौक के समीप की है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक फॉर्च्यूनर की तेज रफ्तार हादसे का कारण बनी। वहीं हादसा इतना जबरदस्त था कि न सिर्फ बाइक के परखच्चे उड़ गए, बल्कि फॉर्च्यूनर का एयर बैग और एक तरफ का हुलिया बिगड़ गया। जिस फॉर्च्यूनर से ये दर्दनाक हादसा हुआ वो कसबा प्रखंड के वरिष्ठ भाजपा नेता की है।

मृतका मरंगा थाना क्षेत्र के हरदा बस्ती

निवासी पंकज कुमार पंडित की 40 वर्षीय पत्नी कल्पना देवी है। जबकि पंकज कुमार पंडित की हालत काफ़ी नाजुक बनी हुई है।

घटना की जानकारी देते हुए मृतका के देवर मुन्ना कुमार पंडित और पड़ोसी बंगाली मेहता और पुरुषोत्तम पाठक ने शुक्रवार को बताया कि गुरुवार रात करीब 11:15 बजे मूर्तिकार दंपत्ति बाइक से हरदा विधार्थी चौक के समीप स्थित अपने कामत से मां लक्ष्मी की मूर्ति बनाकर अपने घर हरदा बस्ती लौट रहे थे। तभी कटिहार के गेड़ाबाड़ी की ओर से पूर्णिया की ओर आ रही तेज रफ्तार वीवीआईपी BR 11AR 0001 नम्बरप्लेट वाली फॉर्च्यूनर ने दंपत्ति को रौंद डाला।

जिस वक्त हादसा हुआ फॉर्च्यूनर में भाजपा नेता राजेश यादव की पूरी फैमिली सवार थी। हादसे के बाद सभी कार को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए। एयर बैग से फॉर्च्यूनर में बैठे सभी लोगों की जान बच सकी। भाजपा नेता ने कहा कि गाड़ी मेरी ही है। मगर मै गाड़ी में नहीं था। मैं पटना में हूं। हादसे के वक्त गाड़ी में मेरा ड्राइवर और गार्ड था।

अटल बिहारी के विकास कार्यों की चर्चा नहीं करती केन्द्र सरकार : संजय

पटना। जल संसाधन मंत्री संजय झा ने पार्टी कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम के बाद शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने देशभर का दौरा कर तमाम विपक्षी दलों को एकजुट करने का काम किया और इंडिया गठबंधन के निर्माण में उनकी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका रही है। साथ ही उनकी यह इच्छा थी कि पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले सीट बंटवारे पर चर्चा हो लेकिन चुनाव में व्यस्तता के कारण यह संभव नहीं हो पाया। विधानसभा चुनाव के बाद निश्चित रूप से सीट बंटवारे पर सकारात्मक चर्चा होगी। इस संबंध में इंडिया गठबंधन की अलग-अलग समितियां काम कर रही है।

संजय झा ने कहा कि मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव अलग-अलग लड़ने से इंडिया गठबंधन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। हमारी पार्टी जब एनडीए गठबंधन के साथ थी तभी कई ऐसे मौके आए थे कि हम लोगों ने अन्य राज्यों में अलग-अलग चुनाव लड़ा था। संजय झा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अब अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यों की चर्चा नहीं करते हैं। उनके कार्यकाल में विकास के जितने भी कार्य हुए इसका जिक्र तक भाजपा द्वारा नहीं किया जाता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को यह बताना चाहिए कि 2014 के बाद से देश की आम जनता की जीवन में क्या परिवर्तन हुए? आज महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है। दो नवंबर को गांधी मैदान में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 25 हजार अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। यह ऐतिहासिक कार्यक्रम होने वाला है। भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी ने राजद विधायक के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि किसी भी धर्म की आस्था पर सवाल उठाना या टीका-टिप्पणी करना उचित नहीं है। सभी धर्मों की आस्था का सम्मान किया जाना चाहिए।

हरसिद्धि मे प्रमुख व पंसस आमने–सामने,प्राथमिकी दर्ज

विरोधियो ने विधान पार्षद महेश्वर सिंह पर लगाया आरोप

पंसस व विरोधी ने एक दुसरे पर दर्ज कराई प्राथमिकी

मोतिहारी। जिले के हरसिद्धि प्रखंड प्रमुख की लड़ाई सुर्खियो में है।प्रमुख चंदा देवी द्धारा चौथी बार की बुलाई गई पंसस की बैठक विफल होने के पश्चात्प्रमुख दंपत्ति ने आपा खो दिया। नतीजतन विरोध कर रहे पंसस से तीखी नोंक-झोंक के बाद दंपति मारपीट पर उतारू हो गये।

मामले में पुलिस को हस्तक्षेप करनी पड़ी। फिलहाल इस मामले को लेकर प्रमुख एवं विरोधी गुट आमने-सामने है। वहीं अब एक आडियो खूब वायरल हो रहा हैं। एक समिति सदस्य को धमकी देने का वायरल आडियो एमएलसी महेश्वर प्रसाद सिंह की बतायी जा रही है। हालांकि यह दीगर है कि इस मामले में एमएलसी उक्त वायरल आडियो तीन वर्ष पुराना बता रहे है। जिसे जानबुझ कर छवि धूमिल करने का विरोधियों का प्रयास बता रहे है।

मामले में पंसस सरफराज राय पंचायत समिति ओलहां मेहता टोला हरसिद्धि ने अरबिंद सिंह, संतोष पासवान सहित विधान पार्षद को आरोपित करते हुए एसपी से न्याय की गुहार लगाई है। इधर मामले में प्रमुख चंदा देवी सहित पंसस जानकी देवी ने एक दुसरे के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज कराया है। जिसमें चंदा देवी ने ब्लाउज, सिकड़ी सहित जरूरी कागजात फाड़ने का आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि वह पंसस सदस्य की बैठक का बहिष्कार करना चाह रही थी।

कोटवा डबल मर्डर केस का एसपी ने किया जांच

थाना का भी पुलिस कप्तान ने किया निरीक्षण

मोतिहारी। जिले के पुलिस कप्तान कान्तेश कुमार मिश्र ने शुक्रवार को कोटवा थाना पहुंचकर थाना का निरीक्षण किया। इस दौरान एसपी ने थाने के विभिन्न अभिलेखों का अवलोकन करते हुए वारंटी व घटनाओं में वांछित अपराधियो की गिरफ्तारी में तेजी लाने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होने कई कांडों की जांच कर रहे आईओ से जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिया।

पुलिस कप्तान ने थानाध्यक्ष को लगातार गश्ती कराने का निर्देश दिया। एसपी श्री मिश्र ने थाना क्षेत्र के जसौली पट्टी गाव के दो सहोदर भाइयो की हत्या कांड का भी निरीक्षण किया। उन्होंने घटना स्थल का आन स्पॉट जांच करने के साथ ही परिजनों से पूछताछ भी की। पुलिस कप्तान ने पीड़ति परिवार को हर हाल में न्याय दिलाने का भरोसा दिया।

उल्लेखनीय है कि 6 जूलाई 2022 को कोटवा के जसौली पट्टी पंचायत के दो सहोदर भाई मोहन कुमार व सोहन कुमार की हत्या बाइक सवार बादमाशो ने सुबह 8 बजे गोली मारकर कर दी थी। घटना के पीछे जमीन विवाद कारण बताया गया था।

आदापुर में प्रमुख ने शो रूम का किया उद्घाटन

आदापुर। प्रखंड क्षेत्र के श्यामपुर आदापुर बाजार में अमित अभिषेक लक्जरी शो रूम का उदघाटन प्रमुख सोनी देवी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मंगलवार को की गई है।उदघाटन के बाद शो रूम के मालिक के द्वारा प्रमुख को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। उक्त शो रूम में डिस्काउंट रेट में सभी तरह की इलेक्ट्रॉनिक समानों को ग्रामीण क्षेत्र के ग्राहकों को देखते हुए उपलब्ध है। ग्राहकों को सभी तरह की सुविधा मुहैया करायी गई है। शो रूम के प्रोपराइटर अभिषेक कुमार ने बताया अब इस क्षेत्र के लोगो को छोटी या बड़ी इलेक्ट्रिक समानों की खरीदारी के लिए रक्सौल व मोतिहारी नही जाना होगा।वहां के शो रूमो के जैसा यहां भी सुविधा उपलब्ध कराया जा रहा है।ग्राहकों के लिए फाइनेंस की भी सुविधा है। उदघाटन के दौरान परमानन्द प्रसाद, सरोज यादव , त्रिलोकी प्रसाद यादव, सुबोध कुमार, रमेंद्र प्रसाद कुशवाहा, चन्द्र मोहन यादव, जेपी सिंह, प्रमोद सिंह आदि लोग उपस्थित थे।

मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण को लेकर 28 व 29 अक्टूबर को विशेष कैंप

बीएनएम@केसरिया।मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 28 व 29 अक्टूबर तथा 25 व 26 नवंबर को प्रत्येक बूथ पर विशेष मतदाता शिविर आयोजित की जाएगी। जहाँ मौजूद बीएलओ अहर्ता रखने वाले लोगों का नाम जोड़ने आदि को लेकर आवेदन लेंगे। इसके तहत मतदाता सूची में नाम जोड़ने से लेकर हटाने व संशोधित करने समेत कई कार्य संपादित किये जायेंगे।

इसको लेकर शुक्रवार को प्रखण्ड सभागार में बीडीओ सह सहायक निर्वाचक निबंधक पदाधिकारी मनीष कुमार सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में भारत निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2023-24 के तहत जारी किये गये गाइड लाइन व निर्देशों से अवगत कराया गया।

बीडीओ श्री सिंह ने बताया कि मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण में अहर्ता तिथि पहली जनवरी 2024 है। जिनका उम्र 18 वर्ष पूरा हो गया होगा तो वैसे लोगों का विशेष कैंप आयोजित कर नाम जोड़ा जायेगा। सभी बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाईजर को प्रपत्र छः, सात, आठ व आठ(क) भरने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गयी। इस बैठक में बीएलओ पर्यवेक्षक लालबाबू राम, बीएलओ नवनीत प्रकाश भारती, अवनीश कुमार, रूपेश कुमार, मो आलम,अखिलेश कुमार ठाकुर, संजय कुमार यादव, संतोष पासवान, राकेश उपाध्याय, निर्मल बैठा, सोमेश्वर प्रसाद समेत कई लोग उपस्थित थे।

कार्यक्रम लेफ्टिनेंट भवानी शंकर पांडा व थर्ड ऑफिसर अमृता कुमारी की देखरेख में दी जा रही प्रशिक्षण

एक भारत श्रेष्ठ भारत एनसीसी कैंप 2 का आगाज

मोतिहारी

जिले के पीपरा कोठी स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय के प्रांगण में स्थानीय 25 बिहार बिहार बटालियन एनसीसी के नेतृत्व में एक भारत, श्रेष्ठ भारत कैंप 2 का आगाज किया गया। यह कैंप 27 अक्तूबर से 07 नवंबर तक चलेगा, जिसमें विभिन्न प्रदेशों से आए कैडेट्स बिहार सहित अन्य प्रदेशों की संस्कृति से रूबरू होंगे।

कैंप कमांडेंट ब्रिगेडियर नीलकमल (सेना मेडल एवं विशिष्ट सेवा मेडल) तथा डिप्टी कैंप कमांडेंट कर्नल प्रदीप कुमार सिंह (सेना मेडल) संयुक्त रूप से कैंप की कार्रवाइयों का निर्देशन कर रहे हैं। कैंप में विभिन्न राज्यों के कुल 600 कैडेट्स शामिल हो रहे है।इनमें ब्वॉयज कैडेट्स को संख्या 400 और गर्ल्स कैडेट्स की संख्या 200 है। इस कैंप में उड़ीसा, झारखंड और बिहार राज्य के पटना, गया, भागलपुर और मुजफ्फरपुर के कैडेटों भागीदारी कर रहे है। कैंप में भारत की विविधता में एकता के परिप्रेक्ष्य में कैडेटों को प्रशिक्षण दिया जाएगा और उन्हें एक भारत, श्रेष्ठ भारत का मंत्र दिया जाएगा।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से कैडेट एक दूसरे की भावनाओं को साझा करेंगे, समझेंगे और समझाएंगे। जिससे राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रति कैडेटों की सोच में वृद्धि होगी। शुक्रवार की सुबह से ही कैंप में कैडेटों का आगमन शुरू हो गया है। एसोसिएट एन.सी.सी.ऑफिसर के रूप में उड़ीसा से आए लेफ्टिनेंट भवानी शंकर पांडा और बिहार की थर्ड ऑफिसर अमृता कुमारी कैडेटों के प्रशिक्षण की देख रेख कर रहे हैं। जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कैप्टन अरुण कुमार ने दी है।

उचक्कों ने महिला से छीने 30 हजार

बीएनएम@केसरिया। बैंक से रुपया निकालकर अपने मायके जा रही एक महिला से उचक्कों ने 30 हजार रुपया छीन लिया। घटना शुक्रवार को केसरिया से लोहरगावां जाने वाली सड़क मार्ग के मेला गाछी के समीप की है। पीड़ति डुमरियाघाट थाना क्षेत्र के पुरैना निवासी वासुदेव ठाकुर की पत्नी रिंकू देवी ने बताया कि देवीगंज स्थित सेंट्रल बैंक की शाखा से 30 हजार रुपया निकाला।

निकासी किये गए रुपये को झोला में रखकर अपनी छोटी बच्ची के साथ पैदल हीं लोहरगावां स्थित अपने मायके जा रही थी। इसी क्रम में मेला गाछी के समीप दो युवक रुपये वाला झोला छीन भाग निकले। पीड़ति की माने तो घटना के बाद उसने हल्ला किया। लेकिन उचक्के भाग निकले। इधर, समाचार प्रेषण तक मामले में पीड़ति द्वारा थाना में आवेदन देने की प्रक्रिया की जा रही थी।

एमजीसीयू के डॉ. जैन को मिला यूरोपियन कैंसर रिसर्चर अनुदान

स्तन कैंसर की प्रगति के साथ ऑक्सीडेटिव तनाव मापदंडों का मूल्यांकन विषय पर शोध प्रस्तुत

मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. बुद्धि प्रकाश जैन को स्तन कैंसर अनुसंधान के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ कैंसर रिसर्च (ईएसीआर) ने डेवलपमेंट रिसर्चर ग्रांट से सम्मानित किया है। डॉ. जैन 27-29 फरवरी, 2024 तक डबलिन, आयरलैंड में आयोजित होने वाले यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ कैंसर रिसर्च सम्मेलन में स्तन कैंसर की प्रगति के साथ ऑक्सीडेटिव तनाव मापदंडों का मूल्यांकन विषय पर अपना शोध कार्य प्रस्तुत करेंगे। डॉ.जैन की इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के लिए बड़े ही हर्ष की बात हैं।वही प्राणी-शास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर प्राणवीर सिंह, प्रोफेसर अर्तत्राण पाल, डॉ प्रीति बाजपेयी, डॉ अमित रंजन, डॉ कुंदन किशोर रजक, डॉ श्याम बाबू प्रसाद और विश्वविद्यालय के अन्य संकाय सदस्यों ने भी डॉ जैन को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई दी है।

आईएनडीआईए गठबंधन के नेतृत्व में 2024 में बनेगी मजबूत सरकार : डॉ अखिलेश

मोतिहारी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने शुक्रवार को यहां कहा कि देश में महात्मा गांधी और नाथूराम गोडसे के विचारधारा के बीच लड़ाई है। लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थान पर हमला हुआ है। इस समय देश में हिंसा-भेदभाव बढ़ा है। आईएनडीआईए गठबंधन के नेतृत्व में 2024 में बनेगी मजबूत सरकार बनेगी।

डॉ सिंह ने कहा कि आईएनडीआईए अलायंस को लेकर सरकार घबराई हुई है। हम भारत की आवाज हैं। इसी को लेकर प्रधानमंत्री डरे हुए हैं, इसीलिए वे देश का नाम बदलना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि 2024 में हमारा गठबंधन पूर्ण रूप से राजग गठबंधन का सफाया कर के देश में मजबूत व सशक्त सरकार का गठन करेगी।

मौके पर जिलाध्यक्ष ई शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय ने कहा कि डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह जी के नेतृत्व में बिहार में कांग्रेस पार्टी मजबूत हुयी हैं। पूरे बिहार के कार्यकर्ताओं में जोश और जुनून बढ़ा हैं। इस अवसर पर जिला परिषद् क्षेत्र संख्या-32 (कल्याणपुर) से मो सदरे आलम ने सदस्यता ग्रहण किया। मौके पर कांग्रेस नेता मुमताज अहमद, अखिलेश्वर प्रसाद यादव उर्फ भाई जी, शैलेन्द्र कुमार सिंह,विनय सिंह, संजीव कुमार सिंह उर्फ टुन्नी सिंह, मुनमुन जयसवाल, डॉ. कुमकुम सिन्हा, किरण कुशवाहा, बिन्टी शर्मा, ऋषि सिंह, आबिद हुसैन, ओसैदूर रहमान, आशीष रंजन, नयाज अहमद, राजकुमार कुशवाहा, अजय झा सहित अन्य नेता उपस्थित रहें।

दुर्घटना में तीन व्यक्ति गंभीर, एक की स्थिति गंभीर, रेफर

रामगढ़वा । रामगढ़वा थाना क्षेत्र अंतर्गत सिसवनिया पोखरा समीप शुक्रवार को दोपहर में दो बाइक दुर्घटनाग्रस्त में तीन व्यक्ति गंभीर घायल हो गए। वही स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना थाना को दिया जिसके बाद गस्ती गाड़ी तुरन्त मौके पर पहुंच कर घायलों को रामगढ़वा पीएचसी लाया गया। स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि इस दुर्घटना में मुख्य रूप से तीनों व्यक्तियों को काफी चोट आई हैं। जिसमें एक व्यक्ति का स्थिति काफी नाजुक हैं। जिसको मोतिहारी सदर हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया हैं। उन्होंने कहा कि घायलों की पहचान पश्चिम चम्पारण के निशांत कुमार व किशोरी साह के पुत्र अशोक कुमार उम्र 32 वर्ष की हुई है जबकि तीसरे व्यक्ति के बारे में ज्यादा जानकारी नही मिल पाई है। उक्त खबर की पुष्टि करते हुए रामगढ़वा थानाध्यक्ष इंद्रजीत पासवान ने बताया कि तीनों व्यक्तियों का इलाज हॉस्पिटल में चल रहा हैं।

28 अक्टूबर, 29 अक्टूबर, 25 नवंबर एवं 26 नवंबर को विशेष अभियान दिवस

बेतिया। अर्हता तिथि 01.01.2024 के आधार पर निर्वाचक सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण, 2024 के सफल क्रियान्वयन एवं अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दिनांक 28.10.2023 (शनिवार), 29.10.2023 (रविवार), 25.11.2023 (शनिवार) एवं 26.11.2023 (रविवार) को विशेष अभियान दिवस के रूप में निर्धारित किया गया है।

भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश के आलोक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय द्वारा विशेष अभियान दिवस के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन हेतु सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी को निर्देशित किया गया है। जिलाधिकारी द्वारा सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि उक्त निर्धारित विशेष अभियान दिवस के दिन सभी बी.एल.ओ. को अपने-अपने मतदान केन्द्र पर प्रारूप 6, 7, 8 एवं निर्वाचक सूची के साथ उपस्थित होने हेतु निदेशित करेंगे। साथ ही अभियान दिवस के दिन प्राप्त सभी दावा/आपत्तियों से संबंधित समेकित प्रतिवेदन विहित प्रपत्र में अगले दिन पूर्वाह्न 11:00 बजे तक ई-मेल / विशेषदूत के माध्यम से जिला निर्वाचन शाखा को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

जिला जनसंपर्क पदाधिकारी को विशेष

अभियान दिवस का व्यापक प्रचार-प्रसार कराना सुनिश्चित करेंगे। इसके साथ ही जिला शिक्षा पदाधिकारी को भी इस संदर्भ में आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया है।

ज्ञातव्य हो कि निर्वाचक नामावली में नाम सम्मिलित किए जाने के लिए प्रपत्र-6 में निर्वाचक सूची को आधार से लिंक करने के लिए प्रपत्र-6 (ख) में, निर्वाचक नामावली से नाम विलोपित किये जाने के लिए प्रपत्र-7, निर्वाचक नामावली में प्रविष्ट में संशोधन, स्थानांतरण एवं ईपिक निर्माण के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन किया जा सकता है।

जिला के सभी मतदान केन्द्र स्तरीय पदाधिकारी (बीएलओ) द्वारा गरूड़ा एप के माध्यम से प्ररूप-6, 7 एवं 8 का डिजिटाईजेशन भी किया जाता है। कोई भी व्यक्ति बीएलओ के पास जाकर गरूड़ा एप के माध्यम से निर्वाचक सूची में अपना नाम सम्मिलित करा सकता है। भारत निर्वाचन आयोग के वेबसाईट के माध्यम से अपना नाम निर्वाचक सूची में सम्मिलित करा सकते हैं।

सरकारी स्कूलों में छात्रों के नाम काटे जाने के मामले पर CM से बात करेंगे'

विधान पार्षद वीरेंद्र नारायण यादव ने जाताई चिंता

मोतिहारी। मोतिहारी दौरे पर आए सारण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के जेडीयू के विधान पार्षद वीरेंद्र नारायण यादव ने सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले तीन दिनों तक अनुपस्थित रहे छात्रों के नाम काटने के मामले पर ऐतराज जताया है।

एमएलसी वीरेंद्र यादव ने कहा कि इस मामलें में वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, शिक्षा मंत्री और विभागीय अधिकारियों से बात करेंगे। उन्होंने इस मामले को विधान परिषद में भी उठाने की बात कही।साथ हीं वीरेंद्र यादव ने कहा कि सरकारी विद्यालयों में गरीबों के बच्चे पढ़ते हैं।

जिनके साथ न्याय होना चाहिए और नाम काटने के बदले दूसरे विकल्पों पर सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले दो दशक से बिहार की शिक्षा में सुधार का विषय सरकार, राजनीतिज्ञ और समाज के प्रबुद्ध लोगों के सामने चुनौती के रूप में खड़ा है। सरकार भी राज्य के शिक्षा व्यवस्था में सुधार करने में लगी है। शिक्षा विभाग के सभी समस्याओं का समाधान सरकार कर रही है। उसका अच्छा परिणाम भी दिख रहा है।एमएलसी ने कहा कि सरकारी विद्यालयों में आम आदमी, गरीब किसान और मजदूर के बच्चे पढ़ते हैं। उन बच्चों के साथ हर तरह से न्याय होना चाहिए। सारण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के जदयू विधान पार्षद वीरेंद्र नारायण यादव एक कार्यक्रम में भाग लेने मोतिहारी आए थे। जहां उन्होंने सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले वैसे छात्रों के नाम काटे जाने से चिंतित दिखे।

BORDER NEWSMIRROR

Saturday 28 October 2023

Editorial

राम नाम के जाप ने बदल दी राह

रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि की जयंती हर साल अश्विन मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है। इस वर्ष वाल्मीकि जयंती 28 अक्टूबर को है। मान्यता तो यह भी है कि महर्षि वाल्मीकि के सम्मान में उनकी जयंती रामायण काल से ही मनाई जा रही है। सनातन धर्म के प्रमुख ऋषियों में से एक महर्षि वाल्मीकि की संस्कृत में लिखी गई रामायण को सबसे प्राचीन ग्रंथ माना जाता है। वाल्मीकिकृत रामायण समूचे विश्व में वेद तुल्य विख्यात है। यह 21 भाषाओं में उपलब्ध है। यह सनातन धर्म मानने वालों के लिए पूजनीय है। राष्ट्र की अमूल्य निधि रामायण का एक-एक अक्षर अमरता का सूचक और महापाप का नाशक है। वाल्मीकिकृत रामायण को ज्ञान-विज्ञान, भाषा ज्ञान, ललित कला, ज्योतिष शास्त्र, आयुर्वेद, इतिहास और राजनीति का केंद्र बिंदु माना जाता है। यह महाकाव्य जीवन के सत्य और कर्तव्य से परिचित कराता है। महर्षि वाल्मीकि ने इसमें कई स्थानों पर सूर्य, चंद्रमा और नक्षत्रों की सटीक गणना की है। इस रामायण को वैदिक जगत का सर्वप्रथम काव्य माना जाता है, जिसमें कुल चौबीस हजार श्लोक हैं। मान्यता यह भी है कि महर्षि वाल्मीकि ने ही इस दुनिया में पहले श्लोक की रचना की। यही श्लोक संस्कृत भाषा का जन्मदाता है। विभिन्न पौराणिक कथाओं में वर्णित है कि महर्षि वाल्मीकि का नाम रत्नाकर था। वह अपने परिवार का पेट पालने के लिए लोगों को लूटा करते थे। निर्जन वन में एक बार उनकी भेंट नारद मुनि से हुई। उन्होंने नारद को बंदी बनाकर लूटने का प्रयास किया। तब नारद ने पूछा कि तुम ऐसा निंदनीय कार्य आखिर करते क्यों हो? रत्नाकर ने उत्तर दिया- अपने परिवार का पेट भरने के लिए। तब नारद मुनि ने उनसे पूछा कि जिस परिवार के लिए तुम इतने पाप कर्म करते हो, क्या वह तुम्हारे इस पाप कार्य में भागीदार बनने के लिए तैयार होंगे? इसका उत्तर जानने के लिए रत्नाकर, नारद मुनि को पेड़ से बांधकर घर पहुंचे और एक-एक कर परिवार के सभी सदस्यों से पूछा कि मैं डाकू बनकर लोगों को लूटने का जो पाप करता हूं, क्या तुम उस पाप में मेरे साथ हो?

नशे के कैंसर से देश को बचाने का दायित्व किसका

प्रो. प्रेम कुमार धूमल

आज हमारे सामने नशे की सबसे बड़ी गम्भीर समस्या है। नशे का यह कैंसर जिस तीव्रता से समाज में फैल रहा है उसे देखकर, सुनकर आदमी सिहर उठता है और लगता है जिस गति से नशा समाज को विनाश की गर्त में ले जा रहा है उससे तो समाज का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा । प्रतिदिन नशे से होने वाली युवाओं की मौतों की खबरें और नशे की बड़ी खेप पकड़े जाने के समाचार डराते हैं । मानव समाज के अस्तित्व को खतरे में डालने वाला स्वयं मानव समाज ही है । आदमी पैसे के लालच में अंधा होता जा रहा है । एक समय था जब तम्बाकू, सिगरेट, बीड़ी और अधिक से अधिक शराब को नशा माना जाता था । आज अफीम, चरस, गांजा, कोकीन, चिट्टा और न जाने कौन-कौन से नए नामों के साथ नशा समाज में तबाही मचा रहा है । इस धंधे से होने वाली बेपनाह कमाई के लालच में लोग इस दलदल में फंसते हैं और जो फंस गये वे फिर निकल नहीं पाते । वैसे ही बेईमानी का धन कमाने में पुलिस प्रशासन और अन्य एजेंसियां, जिन को इस पर नियंत्रण करना है, वो भी रिश्वत के चक्कर में आंखें मूंद लेते हैं । इसका भयंकर परिणाम यह हो रहा है कि छोटे बच्चे, विद्यार्थी और युवा नशेड़ी बन जाते हैं । परिवार नियोजन के कारण बहुत सारे परिवारों में एक ही बच्चा, लड़का या लड़की होती है और वह मासूम जब नशे की लत का शिकार हो जाते हैं तो मां-बाप की जिंदगी वैसे ही नरक बन जाती है । यदि युवा पीढ़ी नशेड़ी होगी तो न सेना के लिये न वीर सैनिक मिलेंगे। न पुलिस प्रशासन में स्वस्थ जागरुक कर्मचारी, अधिकारी मिल पाएंगे। इससे कृषि क्षेत्र, उद्योग का क्षेत्र और सेवाओं का क्षेत्र भी अछूता नहीं बचेगा । नशे का यह जहर सारे समाज को खोखला करके समाप्त कर देगा । ऐसे में प्रश्न उठता है कि करें क्या ? इस संकट को दूर करने के लिए कोई बाहर से आकर समाधान नहीं निकालेगा। हमें यानी हर नागरिक को अपने परिवार के प्रति, समाज के प्रति और राष्ट्र के प्रति दायित्व निभाना होगा । कुछ समय से मैं देख रहा हूं कि परिवार की परिभाषा पति, पत्नी और बच्चों तक ही सीमित हो गई है । समाज के अन्य लोगों का सुख-दुख हमारा अपना नहीं होता । इसी प्रकार से हमारा सुख-दुख समाज के लोगों का नहीं होता । इसी कारण मनुष्य कष्ट या समस्या के समय सामाजिक प्राणी होते हुए भी अपने आप को अकेला पाता है। कुछ समय पहले तक किसी का भी बच्चा अगर सिगरेट, बीड़ी या शराब आदि का नशा करते किसी को मिलता था तो प्रत्येक व्यक्ति अपना सामाजिक दायित्व समझते हुए उसे रोकता था । उसके परिवारजनों को सूचना देता था तो एक प्रकार से कुरीतियों पर दुष्प्रभावों पर पारिवारिक नियंत्रण के साथ सामाजिक नियंत्रण भी होता था । नशे की बात हो, महिलाओं से छेड़छाड़ की बात हो या कोई दुर्घटना हो जाए तो आंख बचाकर निकलने में ही भलाई समझी जाती है । इसलिए पहले तो सभी अपना पारिवारिक दायित्व निभाएं केवल बच्चे पैदा करना ही अपना दायित्व न समझें बल्कि उन्हें अच्छे संस्कार देना, बच्चों को समय देना और समाज को सुसंस्कृत, सभ्य नागरिक देना भी सभी का दायित्व है ।

(लेखक, हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हैं।)

Today's Opinion

वर्धा विश्वविद्यालय में गांधी के नाम पर तिजारत

के. विक्रम राव

कामसूत्र पर साधु समाज में चर्चा। निजी पूंजी की श्रेष्ठता पर माओवादी सभा में गोष्ठी। क्या अभिप्राय होता है ? ठीक ऐसा ही हुआ 25 अक्टूबर को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय (वर्धा) में। यहां ब्रिटिश नृशंस उपनिवेशवादी थॉमस मैकाले की 223वीं जयंती मनाने की तैयारी की गई। कार्यभारी कुलपति दलित प्राध्यापक लेल्ला कारुण्यकर ने यह सब रचा। वे अंबेडकर दलित अध्ययन केंद्र के निदेशक भी हैं। तेलुगुभाषी हैं। लखनऊ में भी रहे हैं। भला हो राष्ट्रवादी छात्रों का जिन्होंने बवंडर उठाया कि भारतीय शिक्षा पद्धति के घोर शत्रु और नाशक मैकाले की जन्मगांठ बापू की संस्था में न मने ? मानो कृष्ण मंदिर में गौहत्या होने से बच गई। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार कादर नवाज खान ने तत्काल नोटिस द्वारा प्रो. कारुण्यकर को निर्देश दिया कि भारतीय संस्कृति, दृष्टि और भावना के विपरीत रहे मैकाले की जयंती कदापि न मनाई जाए। मोदी सरकार की नई शिक्षा नीति-2020 से ऐसा समारोह तालमेल नहीं रखता। शायद ही भारत का कोई शिक्षा संस्थान है जिसका इतना सीधा नाता राष्ट्रपिता से रहा हो तथा जहां नीति गांधीवादी चिंतन, नीति, कार्य, निर्णय और व्यवहार के सरासर प्रतिकूल ऐसा हुआ हो। इस विश्वविद्यालय की स्थापना भारत सरकार ने सन् 1996 में संसद द्वारा पारित एक अधिनियम द्वारा की थी। मगर यह शिक्षा संस्थान कम्युनिस्ट और कांग्रेस सत्तावानों की कुत्रनीतियों का केंद्र रहा। जब रिटायर्ड पुलिसवाले वीएन राय इसके कुलपति नामित हुए तो इसमें बिना अर्हता, योग्यता और अमान्य लोगों की कई नियुक्तियां की गईं। अतः उनके जाते ही, वे सब हटा दिए गए। इस विश्वविद्यालय के कुलपति रहे प्रकाण्ड विद्वान पं. गिरीश्वर मिश्र जी ने इन घटनाओं पर क्षोभ तथा विषाद व्यक्त किया है। उनके अग्रज स्व. पं. विद्यानिवास मिश्र जी नवभारत टाइम्स के संपादक रहे हैं। इस समस्त प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच मोदी काबीना के शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल करनी चाहिए। समस्त वित्तीय अनियमितताएं, प्रशासनिक धांधलियां, यौन शोषण प्रकरण, पद का दुरुपयोग, भाई-भतीजावादी नियुक्तियों आदि की पड़ताल हो। यहां बापू के नाम पर तिजारत हुई। बुनियादी शिक्षा पद्धति का सेवाग्राम एक प्रस्थान बिंदु रहा। गांधीजी ने 23 अक्टूबर 1937 को 'नयी तालीम' की योजना बनायी थी जिसे राष्ट्रव्यापी व्यावहारिक रूप दिया जाना था। उनके शैक्षिक विचार समकालीन शिक्षाशास्त्रियों के विचारों से मेल नहीं खाते थे। इसलिये उनके विचारों का विरोध हुआ। गांधीजी ने कहा था कि नयी तालीम का विचार भारत के लिए उनका अन्तिम एवं सर्वश्रेष्ठ योगदान है। गांधीजी के लम्बे समय तक विचारों के गहन मंथन के परिणामस्वरूप नयी तालीम का दर्शन एवं प्रक्रिया का प्रादुर्भाव हुआ। दुर्भाग्यवश इस कल्याणकारी शिक्षा-प्रणाली का राष्ट्रीय स्तर पर भी समुचित प्रयोग नहीं हो पाया। फलस्वरूप आजतक भारत गांधीजी के सपनों के अनुरूप सार्थक और सही स्वराज प्राप्त करने में असमर्थ रहा। देश में पूंजीपतियों पर आश्रित सभी शिक्षण-संस्थाएं व्यावसायिक रूप में सक्रिय तो हैं, पर गरीबों की पहुंच से बाहर हैं। भारत की स्वाधीनता के 75 से अधिक वर्ष बीतने के पश्चात भी ऐसे बच्चों की संख्या काफी अधिक है, जिन्होंने विद्यालय के द्वार तक नहीं देखे हैं। जो विद्यालय जाने का सामर्थ्य रखते हैं, उन्हें लॉर्ड मैकाले की परम्परा से चली आ रही अंग्रेजी शिक्षा के अतिरिक्त कुछ भी प्राप्त नहीं होता। अतः चर्चा हो मैकाले पर ही। यह राजनेता बड़ा स्पष्ट था कि भारतीय शिक्षा पद्धति ऐसी हो कि केवल ब्रिटिश राज के लिए क्लर्क, दफ्तरी, चपरासी तैयार करें। गुलाम हिंदुस्तानियों में हीन भावना भरी जाए। असली चिंतनशील मस्तिष्क के केवल मानसिक परछाइयां ही बनी रहें। स्वतंत्र भारतीय सोच तो अंग्रेजों के लिए असह्य थी। मैकाले की समिति ने सिफारिश की थी कि भारतीय स्कूलों में शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी होना चाहिए। पाठ्यक्रम पश्चिमी मूल्यों और विचारों पर आधारित होना चाहिए। इन्हीं सिफारिशों को लागू किया गया और अंग्रेजी ही भारतीय स्कूलों में शिक्षा की प्रमुख भाषा बन गई।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन नः-06252-296796,
प्रसारः-9470050309 ईमेलः- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

साहित्यिक हलचल

मुकेश राठौर

मो 9752127511

अवकाश प्रदेश में आभार दिवस का आयोजन

एक समय की बात है। जुन्नारगढ़ नाम का एक राज्य था।वहां का राजा बड़ा ही बुद्धिमान, दूरदर्शी और प्रजापालक था। प्रजा की छोटी-छोटी जरूरतों और भावनाओं का ध्यान रखता। मुखिया मुख सो चाहिए, खानपान को एकस्टाइप। जननायक वही जो जन भावनाओं को समझे। राजा, प्रजा के प्रति इतना संवेदनशील और समर्पित था कि कहीं से किसी को कंकड़ चुभने की शिकायत भर आ जाती तो सड़क बनवा देता, किसी को गलती से कांटा लगा,तो तुरंत बागड़ फूंकवाता, किसी को राह में प्यास लगती तो कुआं खुदवाता और किसी को भूख लगती तो भोजशाला बनवा देता । राजा बस इतना चाहता था कि उसकी प्रजा बैठे-ठाले खाए और दुआ दे या डकार सिर्फ अपने राजा का नाम मुंह से निकालें। प्रजा बहुत खुश थी।राजा तो खैर था ही।राजा प्रजा की संख्या जानना चाहता था बाकायदा जातिवार, लिंगवार। लेकिन कैसे?उसने देखा प्रजा के जीवन में अवकाश की कहीं कमी सी हो गई है। अवकाश केवल राजकर्मियों को ही नहीं अपितु जनसामान्य को भी तरोताजा होने के लिए टॉनिक का काम करता है। यह बात राजा समझता था।र ाज्य में उत्सवों पर तो अवकाश देने का रिवाज था ही,राजा ने महापुरुषों के जन्मदिन पर भी अवकाश देने का आदेश जारी किया।

इतना बड़ा राज्य,इतने सारे जात-समाज तो महापुरुषों की क्या कमी? देखते ही देखते राज्य अवकाश प्रदेश बन गया।अवकाशों की संख्या बढ़ी तो जातियां खुश हुई और अवकाश वृद्धि देख राजकर्मी । जिन जातियों के महापुरुषों के नाम अवकाश घोषित हुए उन्होंने तो राजा को सौ-सौ बार बधाइयां दी लेकिन जिनके महापुरुषों की अनदेखी हुई वे राजा के विरोध में उतर आए और अपने वाले महापुरुष की जयंती पर भी अवकाश घोषित करने की मांग करने लगें।

महापुरुषों के जन्मदिन पर अवकाश होने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि कम से कम उस दिन वह महापुरुष याद रहता है,जो कि काम की व्यस्तता के बीच संभव नहीं।खैर,...राजा दूरदर्शी और बुद्धिमान था, प्रजापालक तो था ही। जिस जाति का विरोध बढ़ने लगता,राजा उसकी तुरंत जातिगत जनगणना करवाता, राज्य की जनसंख्या में उसका प्रतिशत अपेक्षाकृत अधिक होता तो उसकी मांग मान ली जाती। इस दौरान जिन्हें अपनी जनसंख्या कम होने का पता चल जाता वे खुशी-खुशी अपनी जनसंख्या बढ़ाने में व्यस्त हो जाते। कुछ दिन बाद उनकी भी मांग मान ली जाती।

राजा किसी को दुखी नहीं देखना चाहता था, सो अवकाशों की संख्या बढ़ती ही गई। एक दिन ऐसा आया कि साल के पूरे तीन सौ पैंसठ दिन अवकाश घोषित हो गए। प्रजाजनों की खुशी सातवें तो राजकर्मियों की खुशी आठवें आसमान पर पहुंच गई। खामख्वाह, पूरी तनख्वाह वाली स्थिति बनीं।राजा की बदौलत प्रजा को भी अपने स्वयं के महापुरुषों को स्मरण करने का अवसर मिला। तीन साल मजे में बीते चौथे साल उनतीस की फरवरी आ गई। राजा विचारने लगा कि अब क्या करूंगा? अपने मंत्रियों को भेजकर सर्वेक्षण करवाया।

पता चला राज्य में अब कोई भी जाति अवकाश लाभ से वंचित नहीं। राजा घोर चिंता से भर गया कि इस एक कार्यदिवस को कैसे अवकाश दिवस में बदला जाए। तभी उनके एक प्रमुख दरबारी ने सुझाव दिया, राजन आपने समाज को महापुरुष दिए और महापुरुषों के नाम पर अवकाश भी।सो प्रजा का भी नैतिक दायित्व बनता है कि वह आपके प्रति कृतज्ञता ज्ञापन स्वरूप इस दिन को आभार दिवस के रूप में मनाए। राजा को सलाह पसंद आ गई। उन्होंने तुरंत घोषणा की कि हर चौथे साल उनतीस फरवरी के दिन को राज्य में आभार दिवस के रूप में मनाया जायेगा।

इस दिन सारी जातियां अपना आराम छोड़कर (काम तो खैर पहले ही छोड़ चुकी थीं) राजदरबार में एकत्र होगी। उनके आने-जाने, भोजन-प्रसादी आदि का खर्च हम उठाएंगे। राजकर्मियो ने आभार दिवस का अवकाश घोषित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की और राजा का आभार माना।

दोस्ती

आशीष कुमार, वाराणसी

दोस्ती अपनेपन का है अटूट प्रेम
जिसका सीधा अर्थ है भुवन में
जिस पर, हम भरोसा कर सकते
आदिकाल से ही दोस्ती इस भव में
सिर्फ नाममात्र की न हुआ करती थी।।

चाहे दोस्ती कृष्ण-सुदामा की हो
या फिर दोस्ती कर्ण-दुर्योधन की
दोस्त को पूर्ण रुपेण साथ देने को
वीर काल में दोस्ती कहा करते थे ।।

इस बीच अपने मित्र के खिलाफ
कोई भी द्वेष की भावना न आती थी
परंतु आज के समय में ऐसे मित्र का
मिलना असंभाव्य सा हो गया है।।

आज भूयिष्ठ मनुज लोगों को
लाभ, धन, चेहरा को देखकर
दोस्ती का प्रस्ताव रखते हैं
आज अतिशय मनुष्य यहां
जब तक दोस्त से है काम,
तब तक ही दोस्ती का है नाम
जिस दिन मीत का काम खत्म,
उस दिन से दोस्ती का नाम खत्म...।।

अटकेगा सो भटकेगा

डॉ. माध्वी बोरसे, विकासवादी लेखिका

अटकेगा सो भटकेगा, अगर कार्य से पहले अत्यधिक सोचेगा, दुविधा में जो तू पड़ेगा, अधूरा कार्य तेरा हमेशा रहेगा।

बहुत लोकप्रिय कहावत है, अटकेगा सो भटकेगा! अक्सर मनुष्य, ज्यादा चाह की वजह से, या तो भरोसेमंद ना होने की वजह से दुविधा में रहता है और यह नकारात्मक प्रभावों से जुड़ा हुआ है, जिसके कारण ₹सामाजिक कार्यकर्ताओं का बर्नआउट, प्रतिबद्धता की कमी, वेतन, सहकर्मियों और पर्यवेक्षकों के साथ कम संतुष्टि, खराब प्रदर्शन और कई अनुभवजन्य अध्ययनों में नौकरी का तनाव₹ होता है।

सही समय पर सही परिणाम न मिल पाना। अपर्याप्त कौशल के माध्यम से उस इनपुट को समझने में असफल होना। यह समझने में असफल होना कि अतीत में काम करने वाली कोई चीज अब काम नहीं करेगी। यह जानने में असफल होना कि बिना सभी सही जानकारी के निर्णय कब लेना है और कब अधिक सलाह की प्रतीक्षा करनी है। हमें इन सब के बारे में जानकारी लेनी चाहिए और कौशल होना चाहिए!

किसी कार्य के बारे में जानकारी ना होना और उसमें कौशल ना होना हमारे जीवन में दुविधाओं का पहाड़ खड़ा कर देता है! अक्सर ज्यादा दुविधा और सोच में पड़ने के कारण, कार्य हमेशा अधूरा ही रह जाता है इससे हमें हमारी लक्ष्य की प्राप्ति नहीं होती है!

भ्रमित महसूस करना निराशाजनक और असहज हो सकता है, जिससे अक्सर लोग हार मान लेना चाहते हैं, दूर हो जाते हैं, और अंततः, ध्यान खो देते हैं। जबकि, जब आप नई चीजें सीख रहे होते हैं तो भ्रम होना तय है, ऐसे कई तरकीबें हैं जिनका उपयोग अपने भ्रम को दूर करने और भविष्य में भ्रम को रोकने में मदद के लिए कर सकते हैं।

ऐसी जगह बैठें जहां कोई अशांति न हो। हर भ्रम को कागज पर उतारो। अपने डर को भी लिखें। एक बार जब विचार कागज पर आ जाएंगे तो वे आपको परेशान करना कम कर देंगे।

दिशाओं, प्रक्रियाओं और अपेक्षाओं को स्पष्ट रूप से संप्रेषित करें। मिश्रित संदेश देने से बचें। समय सीमा तय करें। संगठन के मिशन के साथ सभी गतिविधियों को संरेखित करें। हमेशा ऐसे वक्त पर गहरी सांस लें और थोड़ा धीरज रखे।

यदि आप वास्तव में भ्रमित हैं, तो आपको केवल मुझे नहीं पता कहने से कभी नहीं डरना चाहिए, खासकर यदि आपसे इस समय होने वाली हर चीज को समझने की उम्मीद की जाती है। बस सुनिश्चित करें कि आप उस बारे में विशिष्ट हैं जिस पर आपको स्पष्टीकरण की आवश्यकता है।

अगर हम इन सब निम्न बातों का ध्यान रखें, तो हम दुविधा में नहीं पड़ेंगे, जो कार्य आसानी से हो सकते हैं, उनके बारे में अत्यधिक ना सोचे वरना वह कार्य रह जाएगा!

कभी-कभी आपने दो दोस्तों को देखा होगा, एक है जो सोचता ही रह जाता है, दुविधा में जीता है और एक वही समान वक्त में वह कार्य करके अपने लक्ष्य की प्राप्ति कर लेता है! तो चलिए आज ही से प्रण लेते हैं, किसी भी नेक कार्य को करने से पहले बहुत ज्यादा ना सोचेंगे और दुविधा मुक्त होने की कोशिश करेंगे कि हम भी सही समय पर वक्त रहते अपने लक्ष्य की प्राप्ति कर ले!

अटकना ना तू भटकना ना,
वक्त का महत्व तू जरूर समझना,
कार्य तू करते रहना,
दुविधा में ज्यादा उलझना ना।

माँ

आरती त्रिपाठी

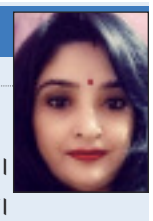

तेरी दुआयें ही मेरी कमाई है।
तेरे कदमों से बरकत आई है।
तुझसे ही मैंने जीवन है पाया।
तुझसे ही सारी खुशियां पाई है।।

तेरे कदमों की धूल जो मिल गई।
दुनिया मेरी तो फूल सी खिल गई।
तेरे कदमों के निशानों पर चलकर।
मैंने ये खूबसूरत मंजिल पाई है।।

तूने जब जब मुझे हँसके गले लगाया।
तब तब मैंने खुदा को खुद में पाया।
जब तूने हँसकर मेरे सर पे हाथ फेरा।
तब तब मेरे जीवन का हुआ नया सवेरा।।

माँ मेरी कभी ना तू मुझसे रूठना।
खफा ना होना चाहे जी भरके कूटना।
तेरे आँचल की छाया में ही मैंने तो।
चाँद जैसी ठंडी शीतलता पाई है।।

मेरा जीवन हो बस तेरे कदमों तले।
तेरी ही छाया में जीवन की शाम ढले।
हर अच्छी बुरी सीख मैने तुझसे पाई है।
मैं कोरा कागज हूँ माँ तू मेरी रोशनाई है।।

माता-पिता तुल्य जग में कोई अनमोल हीरा नहीं

किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

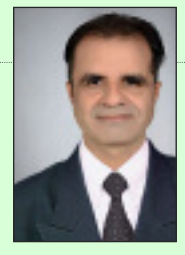

माता-पिता को ठेस पहुंचाने तुल्य कोई पाप नहीं
माता-पिता की सेवा कर ख़ुश रहने जैसा पुण्य नहीं
जिनके हृदय में माता-पिता का मूल्य नहीं
सृष्टि में वह मानवता के तुल्य नहीं
माता-पिता की सेवा तुल्य कोई पुण्य नही
मां पृथ्वी से बड़ी पिता आकाश से ऊंचा है
माता-पिता से बढ़कर कोई तीर्थ देवता गुरु नहीं
माता-पिता से मिले संस्कार की तुलना नहीं
सृष्टि में माता-पिता से बढ़कर कोई नहीं
हम क्या जाने हमारे लिए हमारी मां
कितने दिन कितनी रातें सोई नहीं
माता-पिता से बढ़कर दुनिया में कोई नहीं

लेखक- कर विशेषज्ञ, साहित्यकार, स्तंभकार, कानूनी लेखक, चिंतक, कवि

लघुकथा: गर्मी की छुट्टियां

वीरेंद्र बहादुर सिंह

उस दिन सभी बच्चे बहुत खुश थे। क्योंकि कल से गर्मी की छुट्टियां होने वाली थीं। अब तो सवा महीने तक खूब धींगामस्ती, मौजमजा और घूमना-फिरना होगा।

पर इन सभी विद्यार्थियों में सब से ज्यादा खुश कुमार था। क्योंकि अब वह सवा महीने तक फुलटाइम मजदूरी कर सकेगा। अपनी विधवा मां की मदद करने के साथ-साथ अपनी पढ़ाई का खर्च भी निकाल लेगा।

जेड-436ए, सेक्टर-12,नोएडा

मां

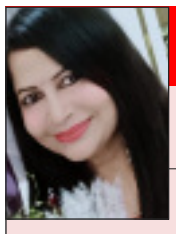

हिमाद्री वर्मा 'समर्थ'
जयपुर

जिंदगी कड़क धूप तुम शीतल छांव हो मां
धरा पर धानी चुनर लिए ईश स्वरूप हो मां ।
तन में बहती लहु की इक इक बूंद में तुम
दिल में धड़कती हर धड़कन में तुम हो मां।।

संसार से मेरी प्रथम भेंट कराने वाली तुम
जीने के अंदाज सिखाने वाली तुम हो मां।
मेरे सभी नाज़ नखरे प्यार से उठाती तुम
मेरी जीवन की प्रथम शिक्षिका तुम हो मां।।

मुझे रोता देखकर खुद भी रो देती थी मां
मेरी छोटी मुस्कान पर वारी वारी जाती मां।
बिजली गुल होने पर पंखी झलती थी तुम
मेरी नींद के लिए सारी रात जागती थी मां।।

चांद सरीखे गोल फुल्के मस्त फुलाती तुम
भोजन में कितना सारा प्रेम मिलाती थी मां।
दिनभर सूरज बन उजाला फैलाती थी मां
रात चंदा की कथा से मन बहलाती थी मां।।

अपने मन की सारी पीड़ा हमसे छिपा तुम
हमारे मन की सारी बातें झट समझती मां।
हम में दुनिया का दर्शन कर खुश होती तुम
चाहतों को अपनी तिजोरी में बंद रखती मां।।

नादान रहा बचपन ना समझा क्या होती मां
मां बन मां को जाना कितना धीर धरती मां।।

आसान विधि से बनाएं बनारसी दम आलू

बनारस के स्वाद की बात ही कुछ और है। एक बार यहां के जायकों को चखने के बाद सालों तक आप उस स्वाद को भूल नहीं सकते। तो आइए ऐसी ही एक डिश करते हैं ट्राय बनारसी दम आलू।

कितने लोगों के लिए : 4

सामग्री : 10-15 उबले हुए (एकदम छोटे आकार के), 2-3 चम्मच सरसों का तेल, 1 चुटकी हींग, 2 हरे लहसुन की पत्तियां कटी हुई, 1 टीस्पून जीरा, 2 टेबलस्पून धनिया, 1 टीस्पून जीरा, 1 टीस्पून सरसों के दाने, 1 टीस्पून सौंफ, अजवाईन, कलौंजी, 4 से 5 साबूत लाल मिर्च, 1 टीस्पून हल्दी पाउडर, 2 टेबलस्पून अमचूर पाउडर, स्वादानुसार नमक, 2 टेबलस्पून हरी धनिया की पत्तियां

विधि :

- उबले आलूओं से छील लें या फिर ऐसे ही बीच से चीरा लगा।
- एक बड़ी लोहे की कढ़ाही रखें और तेल गर्म करें।
- अब उसमें कटी हुई लहसुन की पत्तियां और हींग डालकर भूनें इसके बाद आलूओं को कढ़ाही में डालकर 15 से 20 मिनट तक भूनें।
- इस समय सभी खड़े मसालों को हल्का गर्म करें और दरदरा पीसकर तैयार करें।
- जब आलू एकदम सुनहरा भून जाए तो उसमें पीसा हुआ मसाला, हल्दी, आमचूर पाउडर और नमक डालकर मिलाएं।
- आलू को मसालों के साथ भी पांच मिनट तक अच्छी तरह से मिलाएं लें।
- अब धनिया पत्ती डालें और हरी चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

स्वादिष्ट आलू-मेथी की सब्जी बनाने के लिए आसान स्टेप्स

टेस्टी आलू-मेथी सब्जी बनाने के लिए ये रेसिपी आजमा सकते हैं। आप इसे पराठे या रोटी के साथ सर्व कर सकते हैं।

कितने लोगों के लिए : 4

सामग्री : 4 आलू, 1 कप कटे हुए मेथी, 3-4 लहसुन की कली, 2-3 हरी मिर्च, 1 टी स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टी स्पून हल्दी पाउडर, 1 टी स्पून गरम मसाला पाउडर, 2-3 चम्मच तेल, स्वादानुसार नमक

विधि : -सबसे पहले आलू धो लें और इसे टुकड़ों में काट लें। अब कढ़ाई में तेल गर्म करें, इसमें मिर्च और लहसुन चटकाएं। फिर कटे हुए आलू और मेंथी डालें। इसे कुछ देर तक पकाएं। जब सब्जी की पानी सूखने लगे, तो नमक और मसाले मिलाएं। कुछ देर तक भून लें, जब आलू पक जाए, तो गैस बंद कर दें।

नया शोध : हार्ट अटैक के बाद अब सेल प्रोग्रामिंग की मदद से दिल को किया जाएगा रिपेयर

वैज्ञानिकों ने सेलुलर प्रोग्रामिंग का लाभ उठाने के लिए प्रोटीन के एक समूह की पहचान की है। जिससे दिल की कोशिकाओं को पहुंचे नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सके। वैज्ञानिकों ने शोध के दौरान पाया कि दिल के दौरे के बाद एक चूहे के दिल को पहुंची चोट की मरम्मत सफल तरीके से कैसे की जा सकती है। अमेरिका के सैनफोर्ड बर्नहैम प्रीबिस में हुई रिसर्च के निष्कर्ष में पाया गया कि इससे हृदय, पार्किंसंस रोग और न्यूरोमस्कुलर बीमारियों सहित कई बीमारियों के उपचार को बदलने में मदद मिल सकती है।

सेलुलर प्रोग्रामिंग क्या है

शरीर की कोशिकाएं चुनी गई जीन्स को चालू और बंद करने की क्षमता रखती हैं। जैसे- वे कैसे दिखते हैं और वह क्या करते हैं, उसे बदलना ही सेलुलर प्रोग्रामिंग का आधार है। यह पुनर्योजी चिकित्सा का एक उभरता हुआ दृष्टिकोण है, जिसमें वैज्ञानिक क्षतिग्रस्त या घायल शरीर के ऊतकों की मरम्मत के लिए कोशिकाओं को बदलते हैं।

सैनफोर्ड बर्नहैम प्रीबिस के असिस्टेंट प्रोफेसर और रिसर्च के लीड लेखक, एलेक्जेंडर कोलास ने बताया कि, हार्ट अटैक के बाद अगर एक व्यक्ति बच भी जाता है, तब भी उसके दिल को भारी नुकसान जरूर पहुंचा होता है, जिसकी वजह से दिल की दूसरी बीमारियों का जोखिम और बढ़ जाता है। उन्होंने कहा, थिअरी में सेलूलर प्रोग्रामिंग, हमें किसी भी कोशिका की गतिविधि और उपस्थिति को नियंत्रित करने का मौका देती है।

यह कॉन्सेप्ट शरीर को खुद को दोबारा ठीक करने में बड़ी मदद प्रदान करता है, लेकिन रीप्रोग्रामिंग तंत्र की बाधाओं ने विज्ञान के लैब से क्लिनिक तक के सफर को रोका हुआ है।

हुई चार चरह के प्रोटीन की पहचान

इस समस्या को हल करने के लिए शोध में चार तरह के प्रोटीन की पहचान की गई, जिसे AJSZ नाम दिया गया है। कोलास ने कहा, इन प्रोटीन्स की एक्टिविटी को ब्लॉक कर, हम दिल को पहुंची चोट को कम कर पाए और दिल के दौरे का शिकार हुए चूहे के दिल के कार्य में 50 फीसदी तक सुधार ला पाए। हालांकि, इस शोध का फोकस दिल की कोशिकाओं पर रहा, लेकिन वैज्ञानिकों को यकीन है कि AJSZ सभी तरह की कोशिकाओं में पाए जा सकते हैं। उन्हें यकीन है कि इस तरीके से कई तरह की बीमारियों का बेहतर इलाज हो सकता है। कोलास ने कहा, यह सफलता इन जबरदस्त जैविक अवधारणाओं को वास्तविक उपचारों में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस शोध का अगला कदम है AJSZ प्रोटीन्स को काम करने से ब्लॉक करने के कई विकल्पों की तलाश करना। अध्ययन के बारे में, कोलास ने कहा, गहरी चोट के बाद दिल को ठीक करने में मदद कर पाना अपने आप में एक महत्वपूर्ण चिकित्सा आवश्यकता है, लेकिन ये निष्कर्ष चिकित्सा में सेल रिप्रोग्रामिंग के बड़े पैमाने में उपयोग के रास्ता को भी बड़ा बनाते हैं।

त्वचा के साथ शरीर के लिए भी फायदेमंद है अनार का जूस, लेकिन बरतें ये सावधानी

गर्मियां शुरू हो गई हैं और इसी के साथ कुछ ठंडा तरल पदार्थ पीने के लिए हमारी चाह भी बढ़ने लगी है। वैसे तो गर्मी में गला तर करने के लिए हम ज्यादातर ठंडी चीज की तलाश करते हैं, स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए हमें अक्सर कोशिश करनी चाहिए कि हम फल के जूस का ही सेवन करें। हमें ऐसे लिक्विड चीजों की तलाश करनी चाहिए जो हमारे समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद कर सके। अगर आप भी ऐसा ही कुछ ढूंढ रहे हैं, तो अनार का जूस एक बढ़िया ऑप्शन हो सकता है, जिसके एक या दो नहीं बल्कि कई सारे फायदे हैं। यह आवश्यक पोषक तत्वों और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है और इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। चलिए जानते हैं अनार का जूस पीने के फायदे के बारे में-

अनार के जूस के फायदे-

1. वजन घटाने में मददगार

अनार का जूस वजन कम करने में आपकी मदद कर सकता है। अनार पॉलीफेनोल्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं, ये सभी आपको मेटाबॉलिज्म बढ़ाने और फैट बर्न करने में मदद करते हैं। यह आपकी भूख को दबा कर आपको लंबे समय तक भरा हुआ भी महसूस करवाते हैं। कोशिश करें इसे अपने मीठे पेय पदार्थों से बदलें क्योंकि उससे आपका तेजी से वजन बढ़ सकता है।

2. पाचन में सहायक

अनार का रस आपके पाचन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और पाचन संबंधी समस्याओं, जैसे कि सूजन आंत्र रोग का इलाज करने में मदद कर सकता है। अनार में मौजूद यौगिक आपकी आंत के लिए अच्छे बैक्टीरिया को प्रोत्साहित कर सकते हैं और पाचन तंत्र में जलन की समस्या को कम कर सकते हैं।

3. कैंसर रोधी गुण होते हैं

राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच) के अनुसार, अनार प्रोस्टेट कैंसर को रोकने या उसका इलाज करने में मदद कर सकता है। कई टेस्ट-ट्यूब शोधों के अनुसार, अनार के रस में ऐसे रसायन होते हैं जो या तो कैंसर कोशिकाओं को मारने में मदद कर सकते हैं या शरीर में उनकी वृद्धि को धीमा कर सकते हैं।

4. हृदय स्वास्थ्य में सुधार करता है

अनार के रस का सेवन आपके हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है और स्ट्रोक और दिल के दौरे जैसी स्वास्थ्य स्थितियों के विकास के जोखिम को रोक सकता है। अनार के अर्क में ऐसे यौगिक होते हैं जो रक्तचाप को कम कर सकते हैं, धमनी की सूजन को कम कर सकते हैं, दिल से संबंधित सीने में दर्द में सुधार कर सकते हैं और पट्टिका के विकास को रोक सकते हैं और नतीजतन दिल का दौरा और स्ट्रोक का खतरा कम हो जाता है।

5. शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट

क्या आप जानते हैं कि ग्रीन टी की तुलना में अनार के रस में तीन गुना अधिक एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। यह एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है क्योंकि इसमें पॉलीफेनोल्स होते हैं जो आपके शरीर को मुक्त कणों से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करते हैं।

6. गठिया का प्रबंधन करें

अनार का जूस अपने एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के कारण गठिया को प्रबंधित करने और जोड़ों के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद कर सकता है। अनार में मौजूद तत्व ऑस्टियोआर्थराइटिस पैदा करने वाले एंजाइम को रोक सकते हैं।

7. त्वचा के लिए अच्छा है

आपकी त्वचा हानिकारक यौगिकों, प्रदूषण और सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी (यूवी) किरणों के संपर्क में आती है, जिससे उन्हें काफी नुकसान पहुंचता है। अनार के जूस का सेवन आपकी त्वचा को यूवी किरणों से बचाने में मदद कर सकता है क्योंकि यह त्वचा में जहरीले यौगिकों के उत्पादन को रोकने में मदद करता है।

8. मूत्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है

अनार का रस आपके मूत्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और गुर्दे की पथरी को रोकने में मदद कर सकता है। एक अध्ययन के अनुसार, अनार का अर्क अपनी एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि के कारण गुर्दे की पथरी के विकास को रोकने में मदद कर सकता है।

अनार के जूस के साइड इफेक्ट

हर अच्छी चीज के साथ कुछ बुराई भी छिपी होती है। अनार के रस में भी कई स्वास्थ्य लाभों के साथ कुछ साइड इफेक्ट्स हैं। इसलिए इससे बचने के लिए कम मात्रा में इसका सेवन करें। इसके अलावा, जिन लोगों को अनार से एलर्जी है, उन्हें इस जूस को पीने से बचना चाहिए। वहीं अगर आपकी दवाइयां चल रही हैं या फिर आप डाइटिंग कर रहे हैं, तो इसे अपने आहार में शामिल करने से पहले अपने चिकित्सक से सलाह जरूर लें।

BNM Fantasy

Saturday
28 October 2023

जैस्मिन भसीन ने दिखाया अपना नया लुक

बिग बॉस फेम एक्ट्रेस जैस्मिन भसीन हाल ही में तबीयत बिगड़ने की वजह से अस्पताल में भर्ती हुई थीं और बीते दिन ही उनको अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद एक्ट्रेस अब एक बार फिर से सोशल मीडिया पर एक्टिव हो गई हैं। हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट शेयर किया है। उनके इस पोस्ट पर बॉयफ्रेंड अली गोनी के कमेंट ने हर किसी का ध्यान खींचा है।'टशन-ए-इश्क' और 'दिल से दिल तक' जैसे कई सीरियल्स में नजर आ चुकी एक्ट्रेस जैस्मिन भसीन अपने फैशन और टैलेंट की वजह से लोगों का दिल जीत लेती हैं। एक्ट्रेस की तबीयत खराब होने की वजह से उनके फैंस भी चिंता में थे।

अ

नन्या पांडे ने शेयर किया बचपन का वीडियो

'ड्रीम गर्ल 2' फेम एक्ट्रेस अनन्या पांडे बी-टाउन की फेमस अभिनेत्रियों में से एक हैं। वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के साथ अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी चीजें शेयर करती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपना एक बचपन का वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह एक बोतल लेकर उसका एड करते हुए दिखाई दे रही हैं। अनन्या पांडे के इस वीडियो पर उनके दोस्तों से लेकर बॉलीवुड के कई सेलेब्स ने कमेंट किया है। एक्ट्रेस का यह वीडियो देख कर उनके फैंस भी उनकी क्यूटनेस की तारीफ कर रहे हैं।अनन्या पांडे ने अपने बचपन का एक बेहद प्यारा वीडियो सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस वीडियो में नन्हीं अनन्या एक एड के शूट की प्रैक्टिस करते दिखाई दे रही हैं। टीवी की शेल्फ पर बैठी एक्ट्रेस अनन्या को कहते हुए सुना जा सकता है कि इस एड में आपका स्वागत है, एक एड जो एक परफ्यूम के बारे में है। यह परफ्यूम बहुत खुशबूदार है। इसकी खुशबू अच्छी है और यह कमल की खुशबू की तरह लगती है'। इस वीडियो को शेयर करते हुए अनन्या ने कैप्शन में लिखा 'A ad'। अनन्या पांडे की इस वीडियो पर कई बॉलीवुड सेलेब्स ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। इसके साथ ही उनकी दोस्त सुहाना खान ने भी इस पर कमेंट किया और लिखा 'टीचर टीचर'। मां भावना पांडे ने कमेंट में लिखा 'सुगंधित परफ्यूम'। नीलम कोठारी ने कमेंट में लिखा 'तुम बहुत क्यूट हो'।

सुष्मिता की 'आर्या-3' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज

ये तीसरा सीजन कई और राज खोलेगा

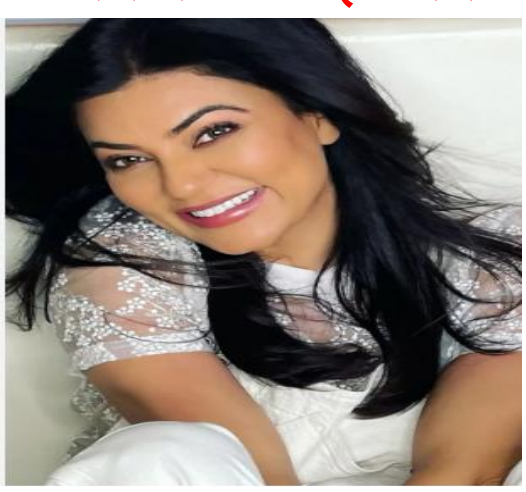

बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन की 'आर्या' वेब सीरीज काफी पॉपुलर रही थी। इस वेब सीरीज के अब तक 2 सीजन रिलीज हो चुके हैं, जिसमें सुष्मिता की दमदार परफॉर्मेंस देखने को मिली थी। इसके बाद एक बार फिर सुष्मिता तीसरे सीजन के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। इस सीजन का टीजर 3 दिन पहले रिलीज हुआ था, अब ट्रेलर भी रिलीज हो गया है। इस वेब सीरीज में सुष्मिता आर्या नाम की माफिया क्वीन का किरदार निभा रही हैं। अपने पिता और पति के जाने के बाद, आर्या पारिवारिक व्यवसाय की बागडोर संभालती है, न चाहते हुए भी उसे अपराध की दुनिया में प्रवेश करना पड़ता है और यहीं से माफिया क्वीन बनने का उसका सफर हम पिछले दो सीज़न में देख चुके हैं। क्या टीजर देखने के बाद खत्म हो जाएगा आर्या का सफर? दर्शकों के मन में ये एक सवाल था, लेकिन अब ट्रेलर देखकर साफ है कि ये तीसरा सीजन कई और राज खोलेगा। कहानी 1000 करोड़ की ड्रग डील के इर्द-गिर्द घूमती है। तो इस नए सीजन में आर्या के सामने एक नया प्रतियोगी भी खड़ा नजर आएगा। इसके साथ ही ट्रेलर में यह भी साफ है कि इस नए सीजन में आर्या के परिवार पर संकट आ गया है जो हमेशा अपने बच्चों की रक्षा करते हैं. अब क्या आर्या इस संकट से बाहर निकलेगी और अगर गिर भी गई तो क्या उसके बच्चों की जिंदगी अच्छी होगी या बुरी या फिर उसे पुलिस पकड़ लेगी? ऐसे कई सवालों के जवाब सीरीज देखने के बाद मिलेंगे। इस तीसरे सीजन में सुष्मिता सेन "आर्या" के किरदार में हमेशा की तरह डैशिंग लग रही हैं। इसके साथ ही उम्र के साथ उनमें बदलाव भी ट्रेलर में साफ नजर आ रहा है। क्या आर्या अब अपने पंजे बाहर निकालेगी? इसका जवाब हमें 3 नवंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज़्नी प्लस हॉटस्टार पर मिलेगा। सीरीज "आर्या" के दोनों सीजन को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला और सुष्मिता की भी खूब तारीफ हुई। सुष्मिता हाल ही में रवि जाधव की वेब सीरीज "ताली" में नजर आई थीं और अब फैंस उन्हें दोबारा आर्या के किरदार में देखने के लिए उत्साहित हैं।